

7.7.2020

34

आप्त मह पतावली प्राप्ति द्वारा प्रार्थना
 प्राप्त प्रकृत करने पर प्रेषी से की गई ।
 प्राप्ति स्वयं उपास्तेन । प्राप्ति द्वारा प्रार्थना प्राप्त
 प्रेषण प्रार्थना प्राप्त अर्थात् निवेद्याज्ञा निद्रा
 करने की अनुमति चाहे है । प्राप्ति स्वयं उपास्ते-
 निवेद्याज्ञा प्रार्थना प्राप्त निद्रा करना चाहता है ।
 अतः प्रार्थना प्राप्त करने में प्रारम्भ करने पर
 निद्रा में लाने का विषय आता है । अर्थात् खुले
 उपासना में सुनाया गया । प्राप्ति की यह बात
 अर्थात् स्वयं की आगवी रासि है । प्रेषण द्वारा की गई ।
 पतावली निर्णय कुमार होकर नस्वर सेवक
 द्वारा दालेल दफ्तर है ।


